जीवन का लेखक

सबको अपना समझने वाला
वजूद बनाकर रहता है,
मानव का हित सोचने वांला
प्रभु से ताक़त पाता है,
अपना हित ही सोचने वांला
इंसान स्वार्थी होता है,
फल भी खाए,पेड़ भो काटे
धोखेबाज कहलाता है,
सुख दुख में साथ निभाने वांला
विश्वास के काबिल होता है,
अपना हित साधकर भागने वांला
ना काम किसी के आता है,
रिश्तों को सिक्कों से तोलने वांला
व्यापारी कहलाता है,
अपनो का दिल दुखाने वांला
ना कभी चैन से सोता है,
अच्छी नियत रखने वाला मानव
आदर सबका ही पाता है,
सदभाव से जीवन जीने वाला ही
सम्मान से जीवन जीता है,
मेहनत करके पायी ताक़त भी
एकदिन छोड़कर जाती है,
उस ताक़त की महिमा जीवन मे
साथ हमारे चलती है,
अभिमान अक्खड़ दिखाने वाले
अपना वजूद खो देते हैं,
संयम से जीवन जीने वाले
इतिहास रचकर जाते हैं,
अच्छी कहानी लिखकर लेखक
अभिनेता बन सकता है,

✍ **गोपाल कृष्ण व्यास**